बालभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा - चतुर्थ **दिनांक -05-09-2020**

विषय -हिन्दी **विषय शिक्षक -पंकज कुमार**

एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित

सुप्रभात बच्चों आज कहानी लेखन के बारे में अध्ययन करेंगे ।

जिस प्रकार कहानी सुनने - सुनाने में मज़ा आता है, उसी प्रकार पढ़ने में भी मज़ा आता है। कहानियाँ सबको अच्छी लगती हैं इस लिए सुनने -सुनाने या पढ़ने के अलावा इसे लिखने का भी अभ्यास करना चाहिए। ईसा लेखन कला के साथ -साथ कल्पनाशक्ति का भी विकास होता है।

आइए मज़ेदार कहानियों के कुछ उदाहरण देखें -

मूर्ख बन्दर

एक था सेठ। उसने एक बन्दर पाला था। बन्दर सेठ से बड़ा हिला-मिला था। सेठ बन्दर को बहुत बुद्धिमान समझता था, पर बन्दर तो बन्दर ही ठहरा। एक दिन की बात है। गर्मी के दिन में सेठ गहरी नींद सो रहा था। बन्दर उसे पंखा झल रहा था। एक मक्खी उड़कर आयी और सेठ के शरीर पर बैठ गयी। बन्दर बार-बार उस मक्खी को पंखे से उड़ाता, पर मक्खी बार-बार सेठ के शरीर पर बैठ जाती।

अन्त में बन्दर से नहीं रहा गया। बाहर से वह पत्थर का एक बड़ा-सा टुकड़ा ले आया। इस बार मक्खी सेठ की नाक पर बैठी। बन्दर ने उसी समय पत्थर के टुकड़े से उसे जोर से मारा। मक्खी तो उड़ गयी, पर बेचारे सेठ की नाक टूट गयी। उनका एक दाँत भी टूट गया और वे बेहोश हो गये।

गृहकार्य

(1) चतुर चित्रकार के बारे में अध्ययन करके उससे मिली सीख को लिखकर दें।